

UGC NET Paper 3 June 26, 2011 Shift 1 Home Science Question Paper

PAPER-III
HOME SCIENCE

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

J	1	2	1	1
---	---	---	---	---

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

- To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
- Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.**
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
- किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

HOME SCIENCE

गृह विज्ञान

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

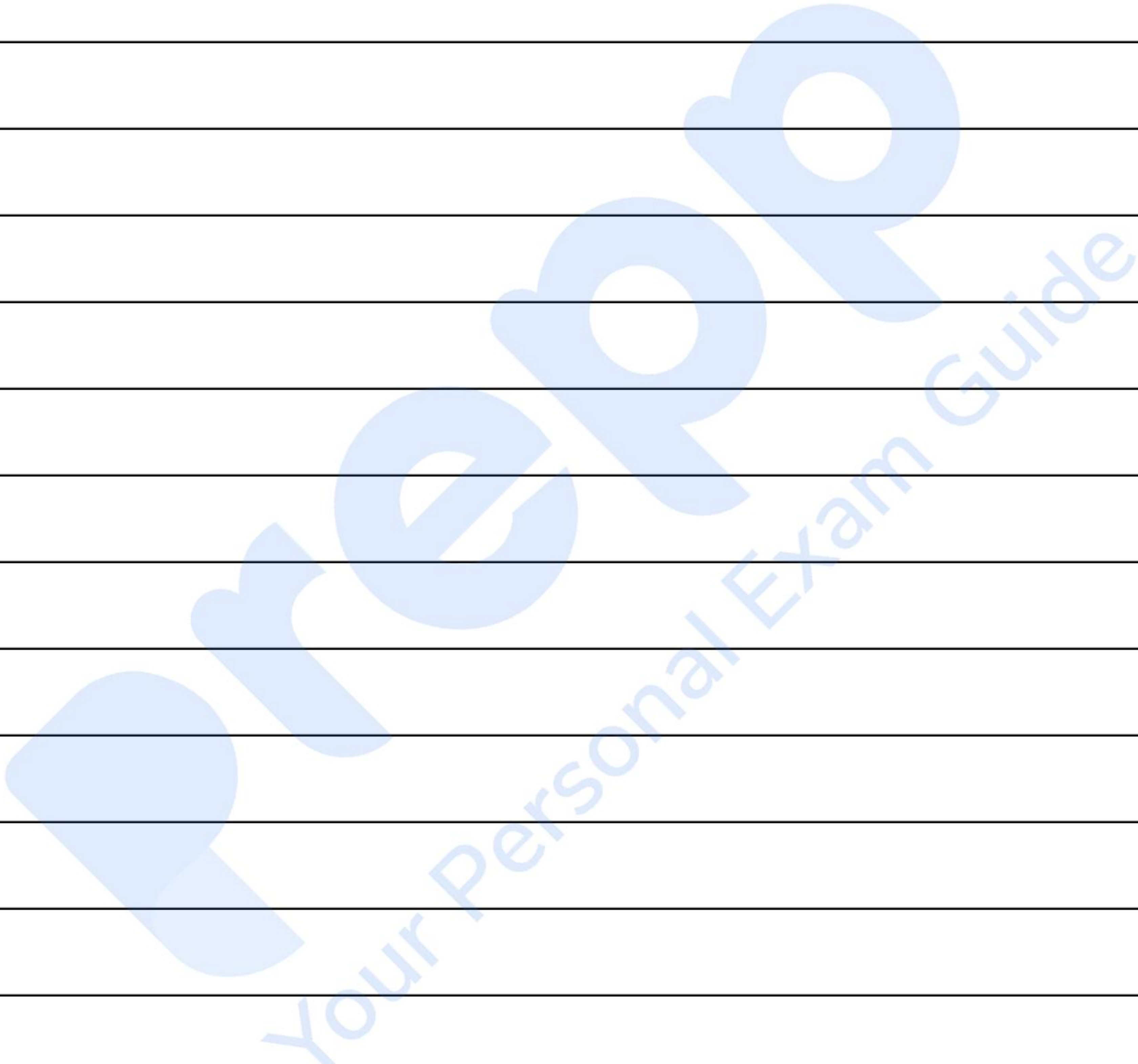
Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

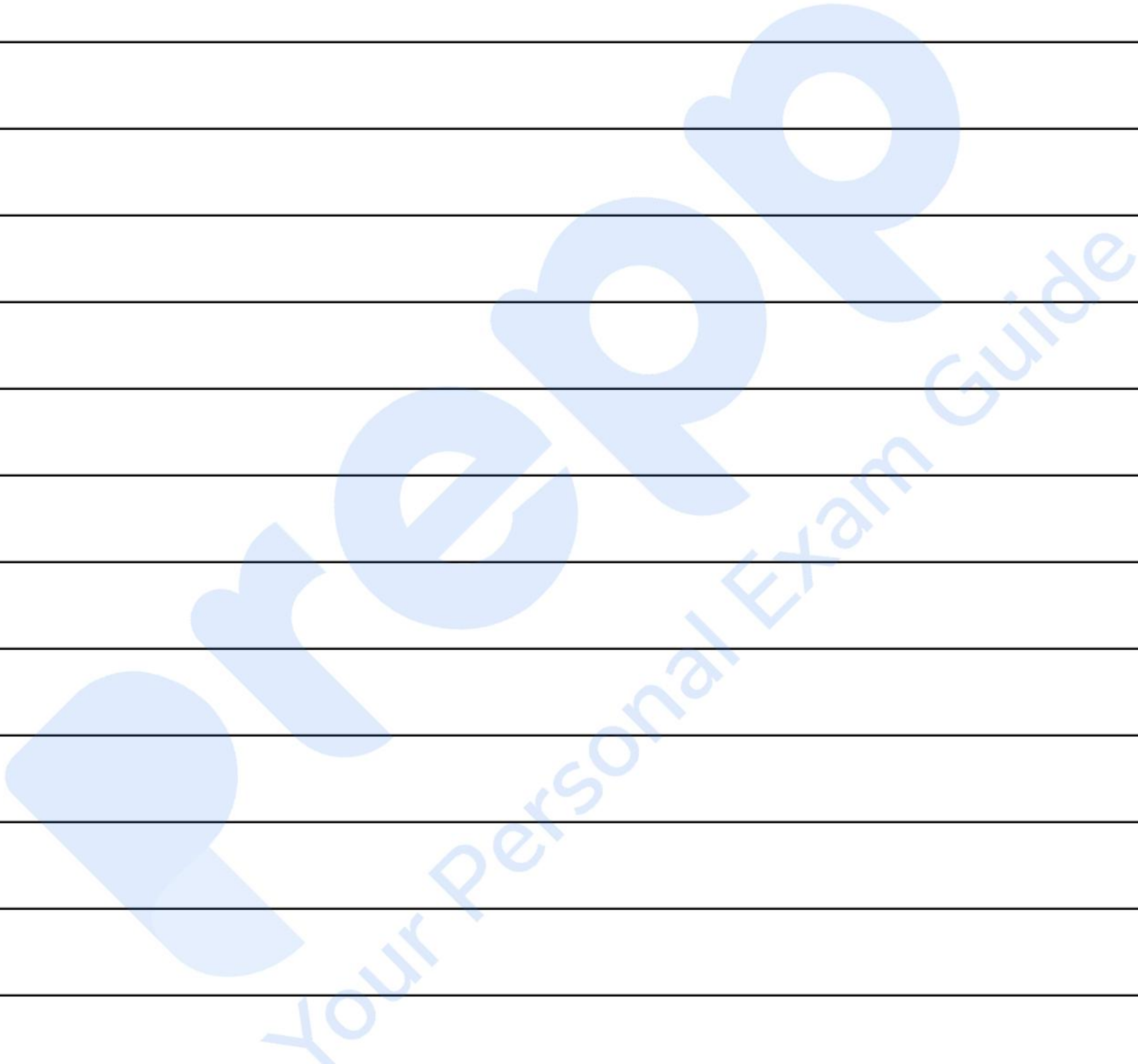
नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

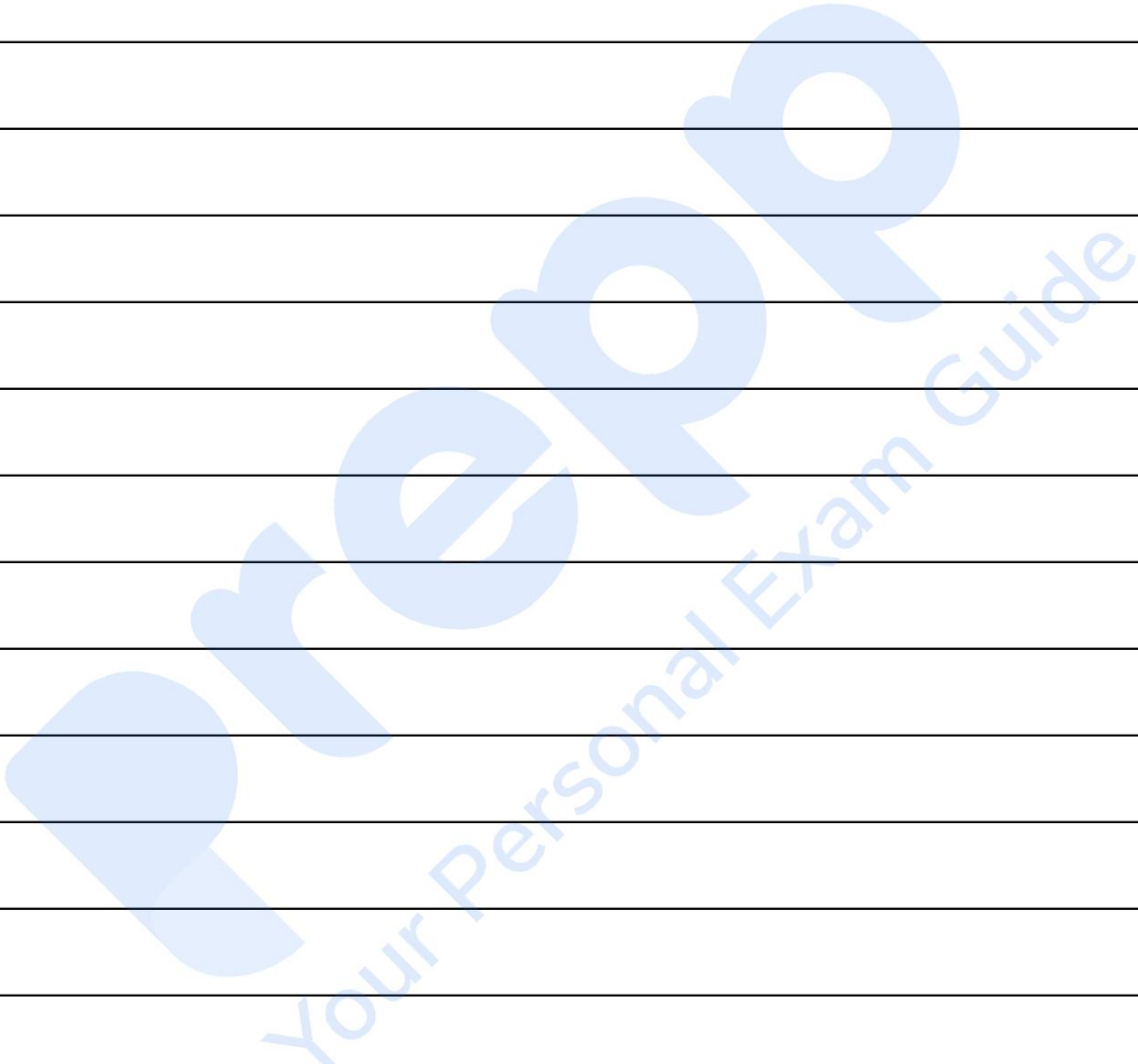
1. Save the girl child.
कन्या बचाओ ।

OR / अथवा

Global warming is a growing problem.
वैश्विक उष्मीकरण बढ़ती हुई समस्या है ।







2. Current Nutrition Programmes of Government of India.
भारत सरकार के तत्कालीन पोषण कार्यक्रम ।

OR / अथवा

Metabolic aberrations and clinical symptoms of obesity.
मोटापा का चयपचयी अपसरण और नैदानिक लक्षण ।

OR / अथवा

Principles of Child Development.
बाल विकास के सिद्धान्त

OR / अथवा

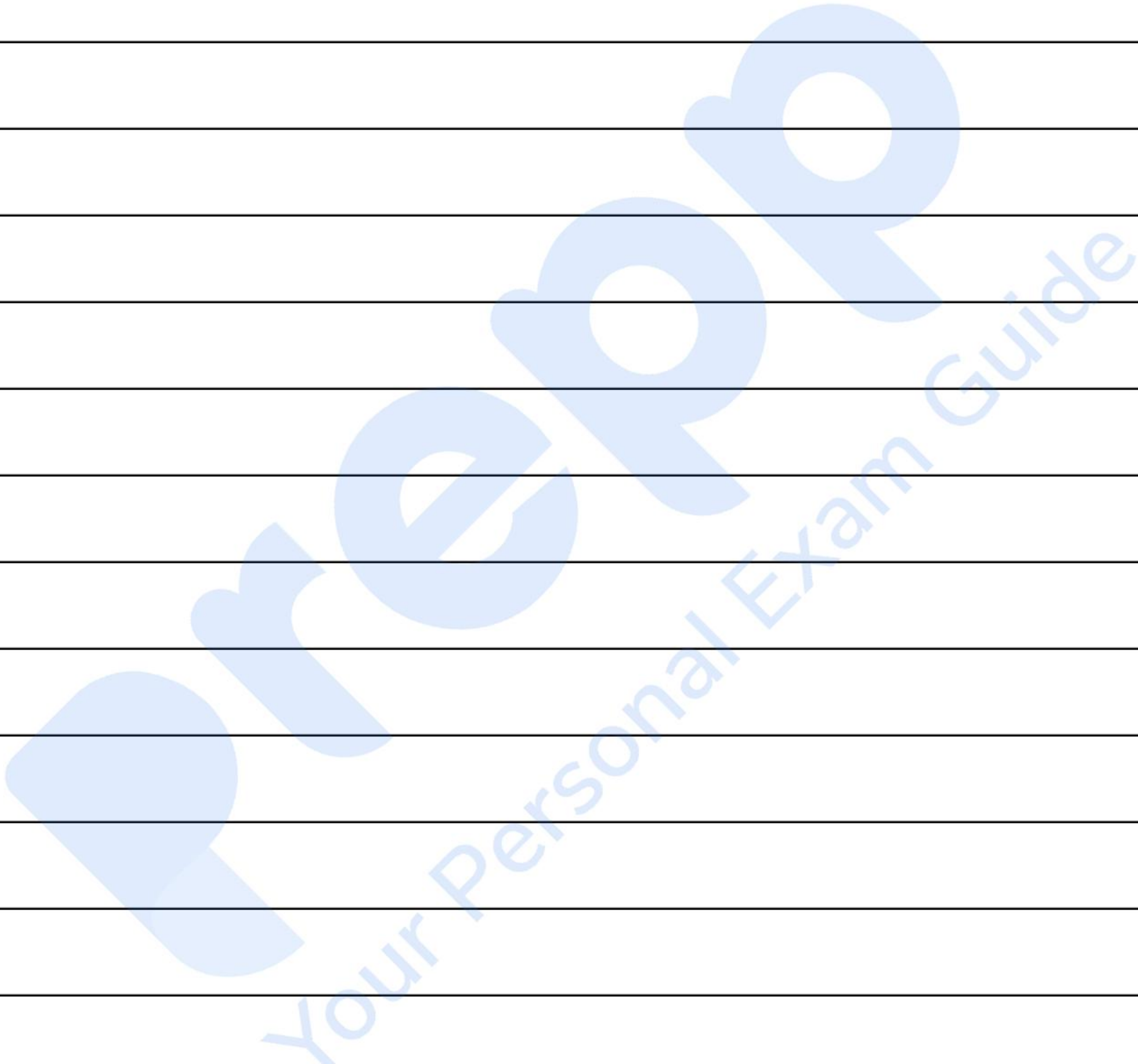
Colour problems experienced by consumers in the use and care of textiles.
वस्त्रों के उपयोग और देखभाल में उपभोक्ता द्वारा अनुभव की जा रही रंग समस्याएँ ।

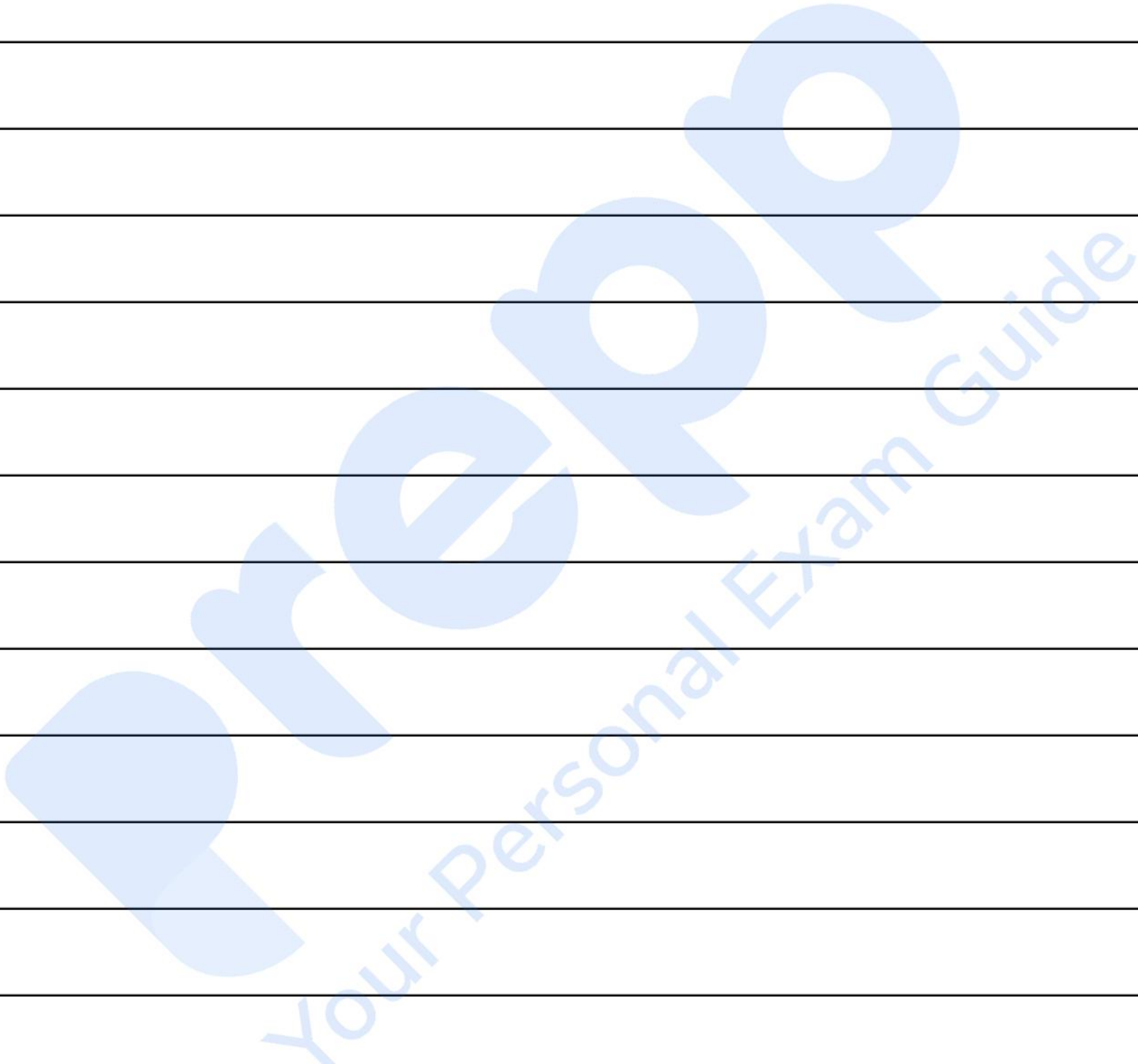
OR / अथवा

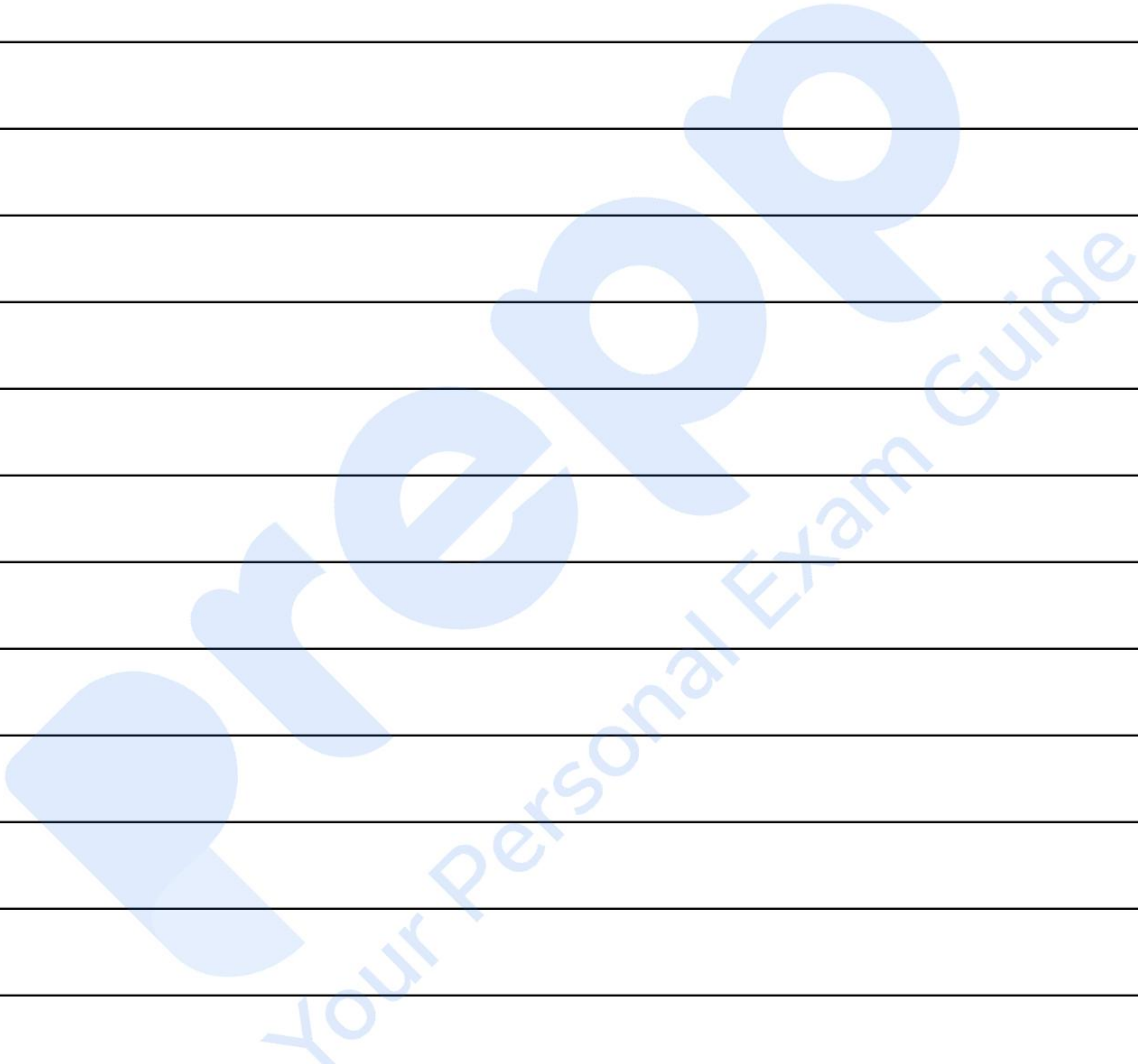
Efficient methods of management of Human Resource.
मानव संसाधनों के प्रबन्धन की कुशल पद्धतियाँ ।

OR / अथवा

Women Entrepreneurship.
महिला उद्यमिता ।







SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है। **(3 × 15 = 45 अंक)**

ELECTIVE – I

ऐच्छिक – I

FOOD AND NUTRITION

खाद्य एवं पोषण

3. How are functional foods useful in maintaining health ?
फलनिक खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य के लिये कैसे लाभदायक है ?
4. Describe the different components of energy requirement of humans in the context of revised RDA (2010) for Indians.
भारतीयों के लिये, संशोधित आर.डी.ए. (2010) के संदर्भ में मानव की ऊर्जा आवश्यकताओं के भिन्न संघटकों की परिभाषा दीजिये।
5. Describe the role of micro-organisms in fermented foods.
किण्वित खाद्य में सूक्ष्मजीवों की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।

OR / अथवा

ELECTIVE – II

ऐच्छिक – II

INSTITUTIONAL MANAGEMENT AND DIETETICS

संस्थानिक प्रबन्ध एवं आहारिकी

3. Describe the systems approach in food service management.
खाद्य संस्करण प्रबंध में प्रणाली उपागम वर्णन कीजिए।
4. Define dyslipidemia and discuss its dietary management.
डिस्लिपिडेमिया की परिभाषा तथा आहार प्रबंध की चर्चा कीजिए।
5. Discuss the metabolic alterations and etiology of cancer.
कैंसर के चयपचयी प्रत्यावर्तनों और निदानशास्त्र की विवेचना कीजिये।

OR / अथवा

ELECTIVE – III

ऐच्छिक – III

CHILD AND HUMAN DEVELOPMENT

शिशु एवं मानव विकास

3. Discuss the role of family in socialization of children.
बच्चों के समाजीकरण में परिवार की भूमिका की विवेचना कीजिये।

4. Describe Kohlberg's theory of moral development.
नैतिक विकास के कोह्लबर्ग के सिद्धान्त का वर्णन कीजिये ।
5. Explain developmentally appropriate curriculum.
विकासात्मक रूप से उपयुक्त पाठ्यचर्या को स्पष्ट कीजिये ।

OR / अथवा

ELECTIVE – IV

ऐच्छिक – IV

CLOTHING AND TEXTILES

क्लोदिंग एवं टेक्सटाइल

3. What are the differences among bulky, textured and stretched yarns ?
स्थूलित, सव्यूतित व स्ट्रेच (लचकदार) तन्तुओं में क्या अन्तर है ?
4. What is the major chemical difference between silk and wool ? How does this affect their fibre properties ?
रेशम और ऊन के बीच मुख्य रासायनिक अन्तर क्या है ? किस प्रकार यह उनके रेशे के गुणधर्मों को प्रभावित करता है ।
5. Explain various steps involved in the production of Embroidered shawls of Kashmir.
काश्मीर की कशीदाकारी शालों के उत्पादन से जुड़े विभिन्न सोपानों को स्पष्ट कीजिये ।

OR / अथवा

ELECTIVE – V

ऐच्छिक – V

HOME AND COMMUNITY RESOURCE MANAGEMENT

गृह और समुदाय संसाधन प्रबंधन

3. Explain the term physical work capacity. Discuss the factors affecting physical work capacity of workers.
शारीरिक कार्य क्षमता शब्द को स्पष्ट कीजिए । कर्मकारों की शारीरिक कार्य क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए ।
4. What do you mean by advertisements ? Discuss its advantages to the consumers. How advertising can be socially damaging ? Justify.
विज्ञापन शब्द को स्पष्ट कीजिए । उपभोक्ताओं को लाभ कैसे होता है – विवेचन कीजिए । तथा विज्ञापन समाज को किस प्रकार हानि पहुँचाता है ? स्पष्ट कीजिए ।
5. Describe the management process in detail. How would you follow management process in the use of family income ?
प्रबन्ध प्रक्रिया की परिभाषा दीजिये । आप पारिवारिक आय के उपयोग में प्रबन्ध प्रक्रिया का पालन किस प्रकार करेंगे ?

OR / अथवा

ELECTIVE – VI

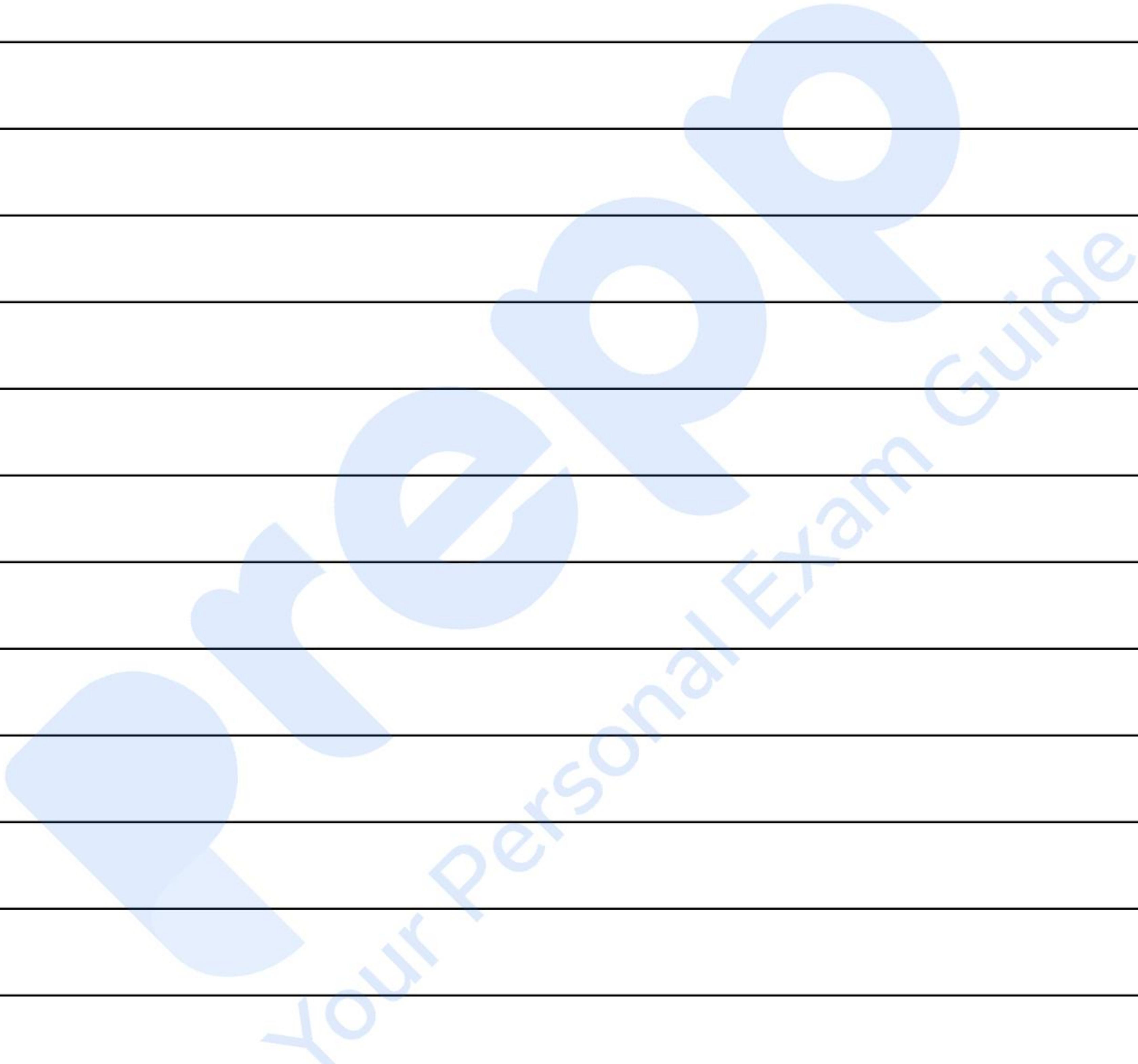
ऐच्छिक – VI

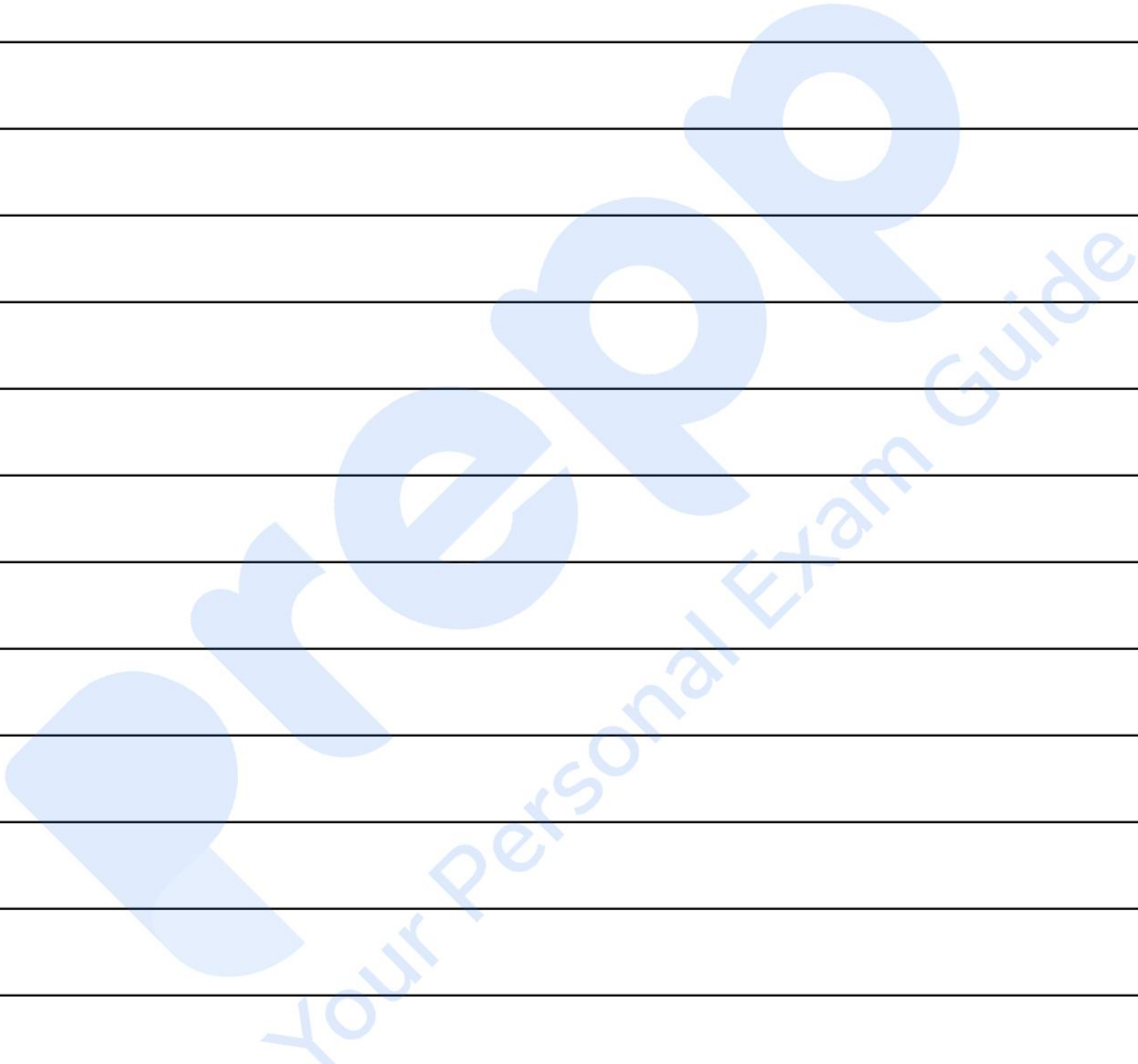
HOME SCIENCE EXTENSION EDUCATION

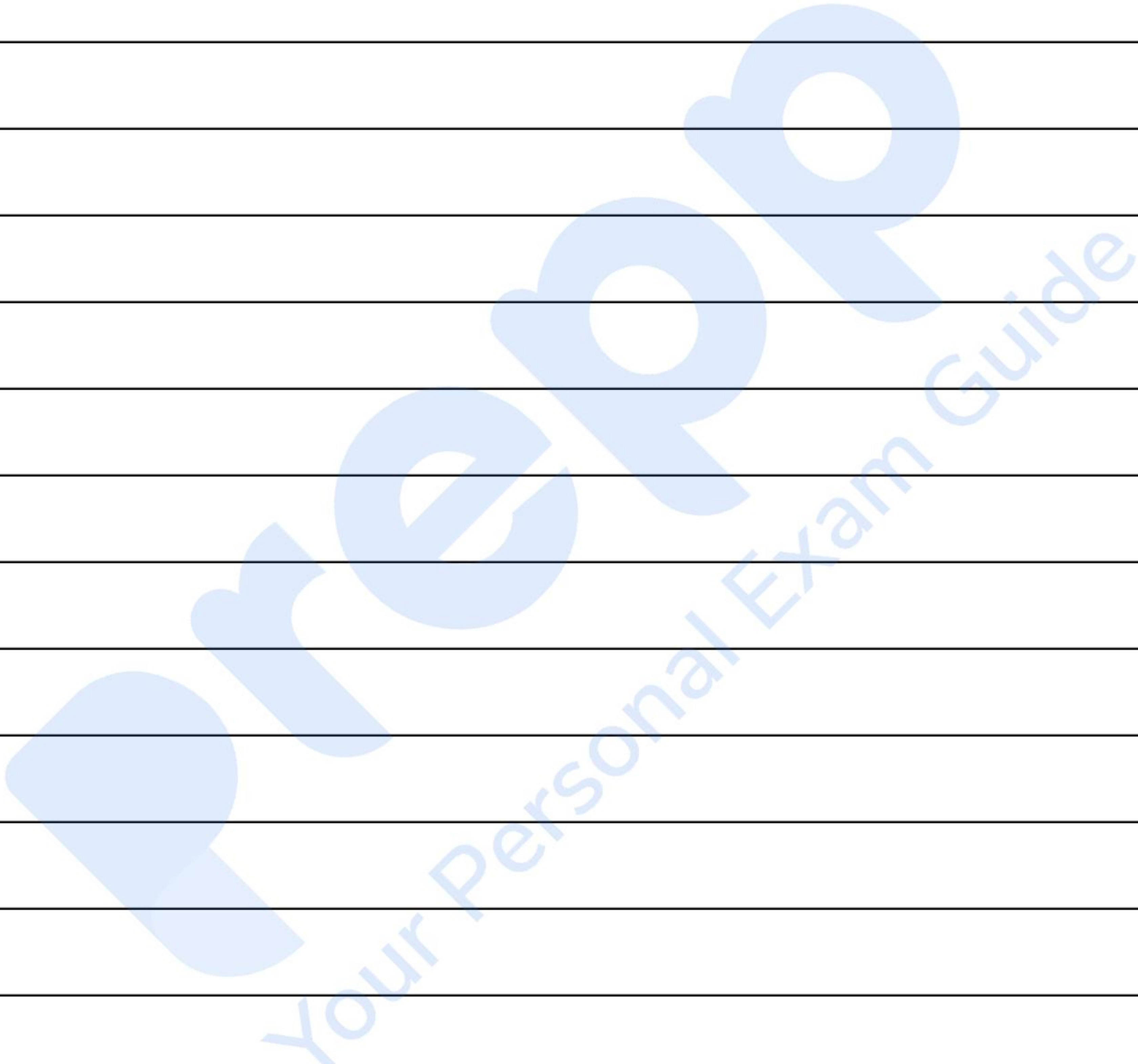
गृह विज्ञान प्रसार शिक्षा

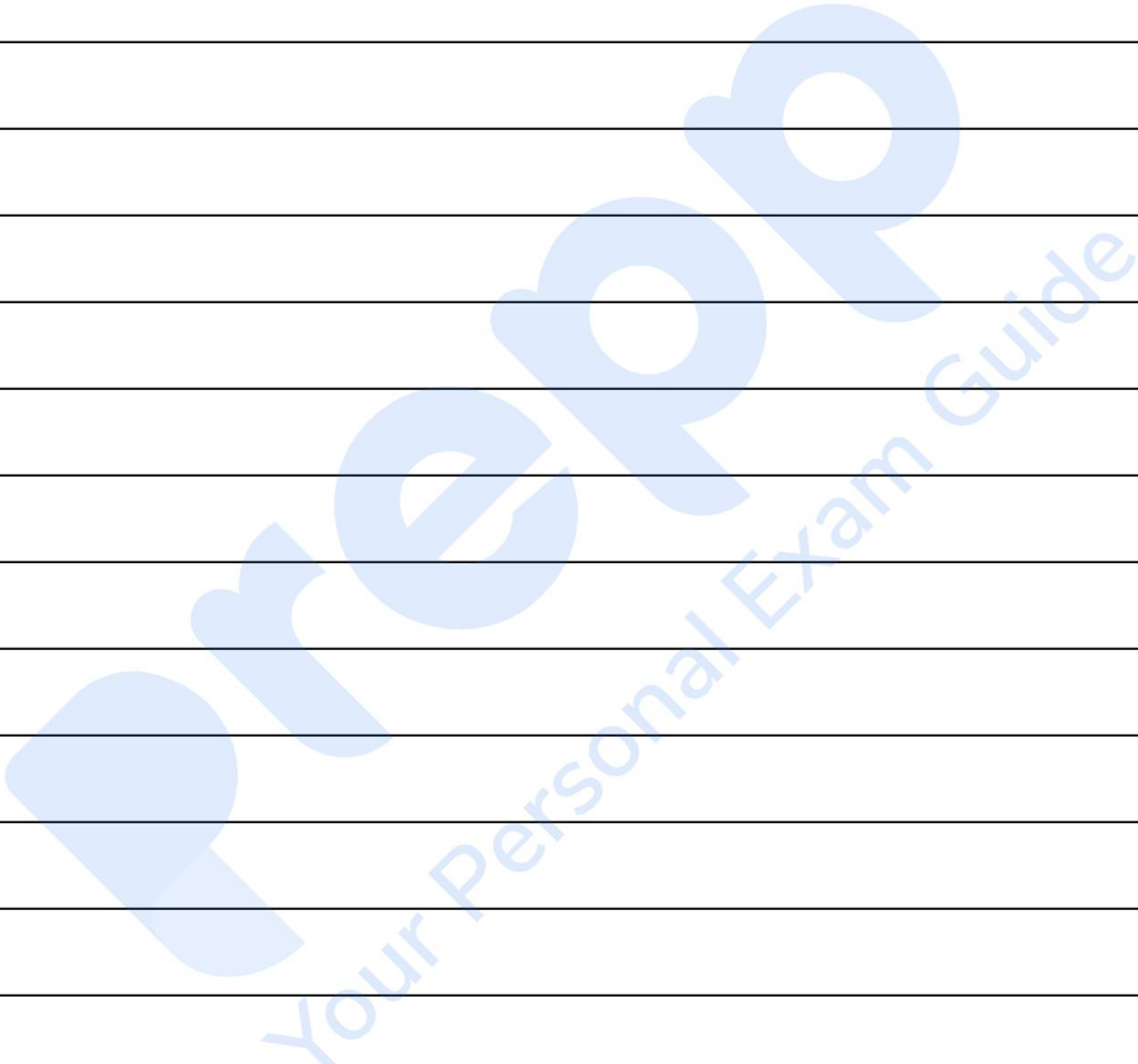
3. Discuss the types of leadership required for solving the National problems.
राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान हेतु अपेक्षित नेतृत्व के प्रकारों की विवेचना कीजिये ।

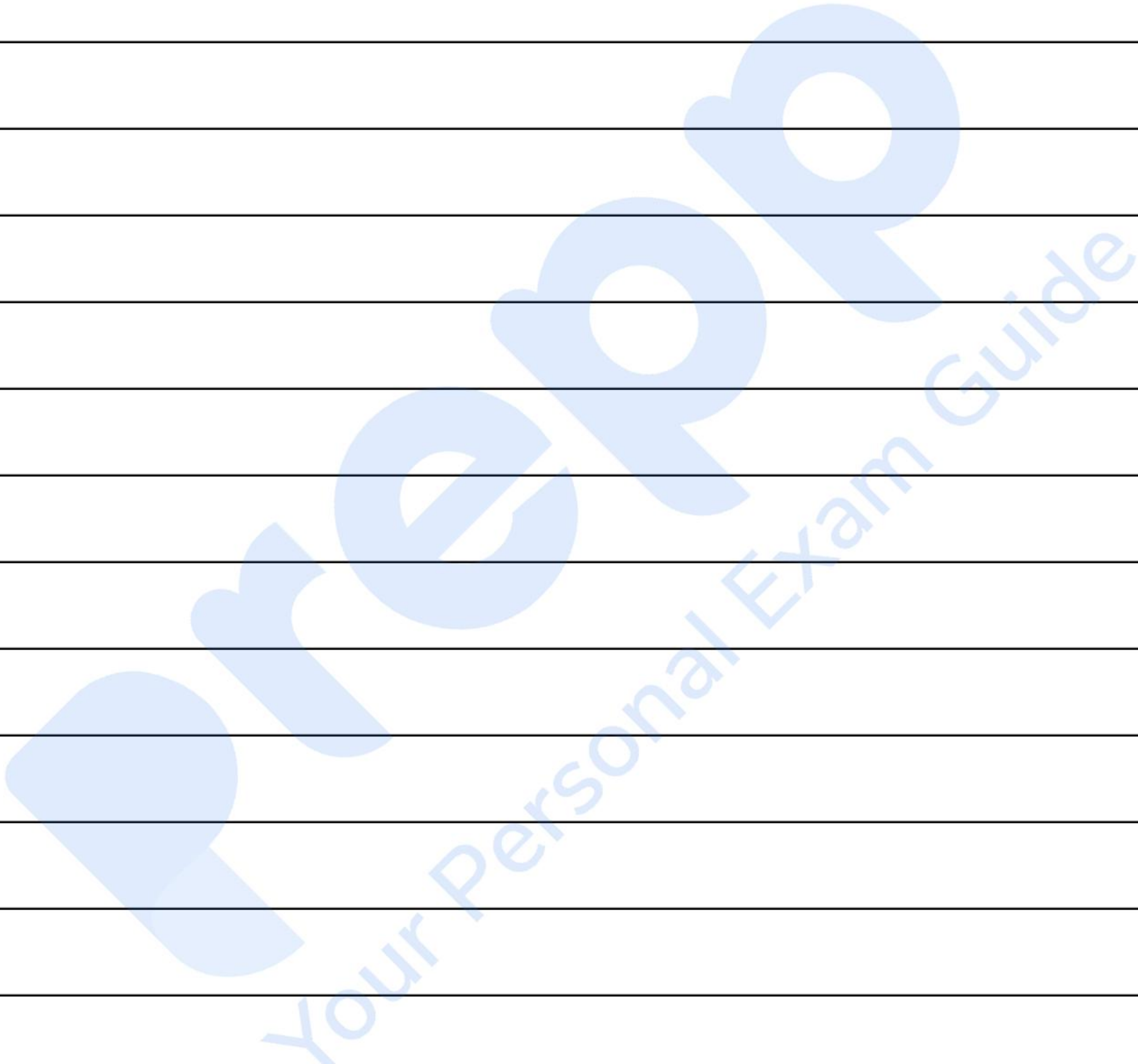
4. Describe various theories of interpersonal communication with their merits and demerits.
अंतः वैयक्तिक सम्प्रेषण के विभिन्न सिद्धान्तों का उनके लाभ-हानि सहित वर्णन कीजिये ।
5. How is the diffusion of innovation possible ? Discuss.
नव प्रवर्तन का विसरण किस प्रकार संभावित है ? विवेचना कीजिये ।

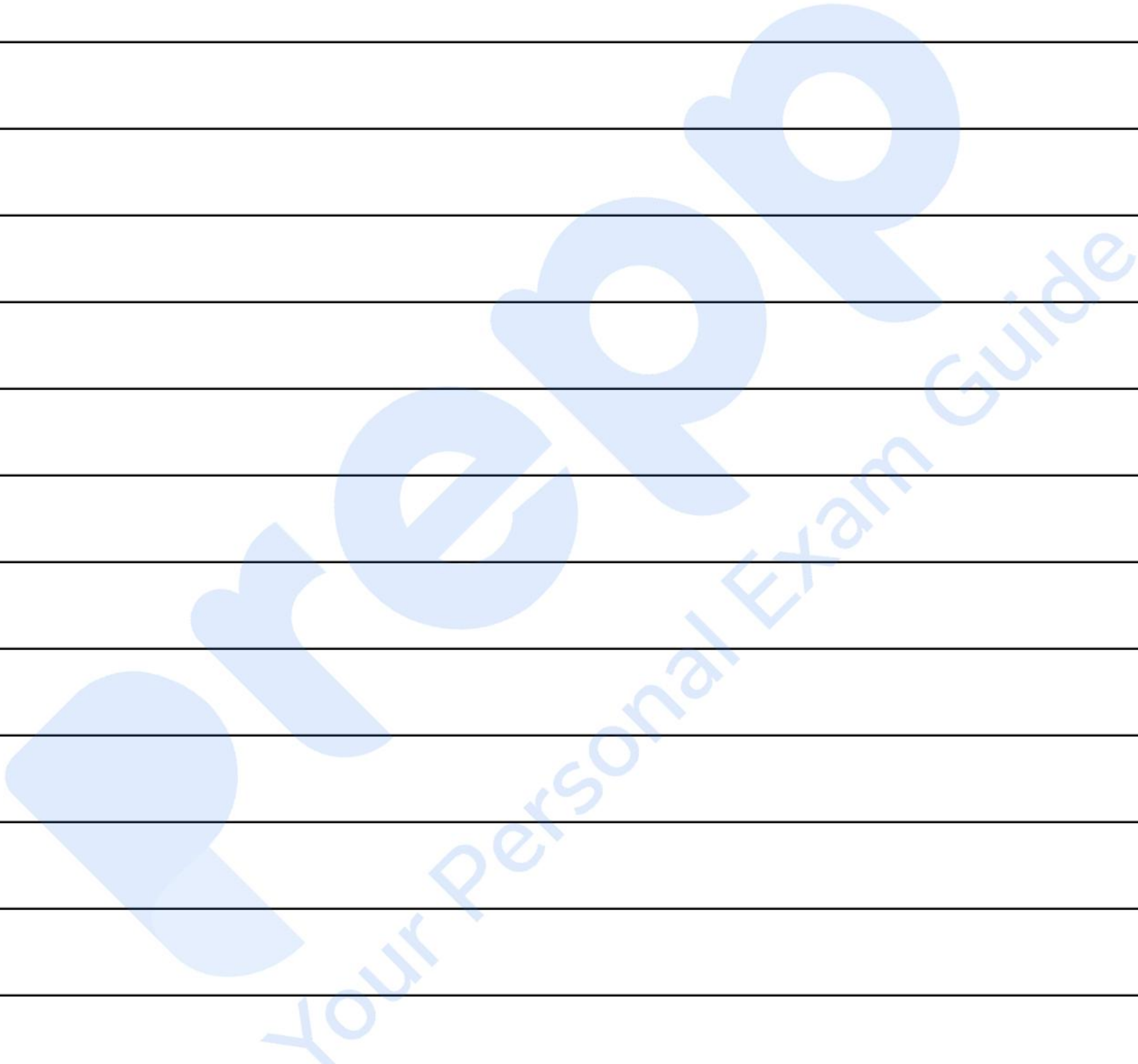












SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Food Fortification
फूड फॉर्टीफिकेशन

7. Maillard Reaction
मेलार्ड प्रतिक्रिया

8. Genetic Engineering of Food.
खाद्य का आनुवंशिक अभियंत्रण

9. Street Children
सड़क के बच्चे (स्ट्रीट चिल्ड्रेन)

10. Kashmir Carpets
कश्मीरी कालीन

11. Yarn twist
तन्तु मरोड़

12. Fatigue
 थकावट

13. Time Management
समय का व्यवस्थापन

14. Programme Planning कार्यक्रम नियोजन

खंड - IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Read the following passage and answer the questions that follow based on your understanding of the passage :

Ancient India was an advanced knowledge society. Invasions and colonial rule destroyed its institutions and robbed it of its core competence. Its people have been systematically degraded to lower levels of existence. By the time the British left, our youth

had lowered their aims and were satisfied with an ordinary livelihood. India is essentially a land of knowledge and it must rediscover itself in this aspect. Once this discovery is done, it will not require much struggle to achieve the quality of life, strength and sovereignty of a developed nation.

Knowledge has many forms and it is available at many places. It is acquired through education, information, intelligence and experience. It is available in academic institutions, with teachers, in libraries, in research papers, seminar proceedings and in various organizations and workplaces with workers, managers, in drawings, in process sheets and on the shop floors. Knowledge, though closely linked to education, comes equally from learning skills such as those possessed by our artists, craftsmen, hakims, vaidyas, philosophers and saints, as also our housewives.

In the twenty first century, a new society is emerging where knowledge is a primary production resource instead of capital and labour. Efficient utilization of this existing knowledge base can create wealth for us in the form of better health, education and other indicators of progress. This ability to create and maintain the knowledge infrastructure, to enhance skills and increase productivity through the exploitation of advances in various fields will be the key factors in deciding the prosperity of this society.

The knowledge society has two very important components driven by societal transformation and wealth generation. The societal transformation is in respect of education, healthcare, agriculture and governance. This will lead to employment generation, high productivity and rural prosperity.

The task of wealth generation for the nation has to be woven around national competencies. The core areas that will spearhead our march towards becoming a knowledge society are information technology, biotechnology, space technology, weather forecasting, disaster management, telemedicine and tele-education, technologies utilizing traditional knowledge, service sector and infotainment.

Thus there are multiple technologies and appropriate management structures that have to work together to generate a knowledge society. With India carving a niche for itself in information technology, the country is uniquely placed to fully capitalize on the opportunity to quickly transform itself into a knowledge society.

प्राचीन भारत उन्नत ज्ञान से परिपूर्ण समाज था । हमलों और औपनिवेशिक शासन ने उसकी संस्थाओं को नष्ट कर डाला और उसकी केन्द्रक योग्यता को चुरा लिया है । उसके लोग अस्तित्व के निचले स्तरों तक, नियमबद्ध रूप से, गिर गये हैं । जब तक ब्रिटिश ने देश छोड़ा, हमारे युवा अपने लक्ष्यों से गिर गये थे और साधारण जीवन यापन के साथ संतुष्ट थे । भारत अनिवार्यतः ज्ञान की भूमि है और इसी पहलू में, उसे अपने आप को ढूँढ निकालना चाहिए । एक बार यह खोज निकालने पर, भारत को, जीवन की गुणवत्ता, देश की शक्ति एवं आधिपत्य प्राप्त करने में अधिक संघर्ष की आवश्यकता नहीं होगी ।

ज्ञान के कई रूप हैं और यह कई स्थानों पर उपलब्ध है । यह शिक्षा, जानकारी, बुद्धि और अनुभव के जरिये अर्जित किया जाता है । यह अध्यापकों के पास बौद्धिक संस्थाओं में, पुस्तकालयों, शोध लेखों, सेमिनार (अध्ययन गोष्ठी) विवरणों में, कर्मकारों प्रबंधकों के पास संगठनों और कार्य स्थलों में, चित्रकलाओं में, प्रोसिस शीट्स में और दुकानों में उपलब्ध रहता है । यद्यपि ज्ञान, शिक्षा के साथ घनिष्ट रूप से सम्बन्धित है, यह अभिगम कौशलों जैसे कि हमारे कलाकारों, शिल्पकारों, हकीमों, वैद्यों, दार्शनिकों, सन्तों और गृहणियों के पास होता है, से भी समान रूप से मिलता है ।

इक्कीसवीं शताब्दी में, नूतन समाज उभर कर सामने आ रहा है । जहाँ ज्ञान प्राथमिक उत्पादन संसाधन है बजाय पूँजी और श्रम के । इस विद्यमान ज्ञान आधार का कुशल प्रयोग हमारे लिये, बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रगति के अन्य सूचकों के रूप में धन-सम्पत्ति सृजित कर सकता है । ज्ञान का बुनियादी ढाँचा सृजित और बनाये रखने की क्षमता, विभिन्न

क्षेत्रों में प्रगति के शोषण के जरिये उत्पादकता में वृद्धि करने और कौशलों को बढ़ाने की क्षमता इस समाज की समृद्धता का निर्णय करने में मुख्य घटक होंगे ।

ज्ञानपूर्ण समाज के, सामाजिक रूपान्तरण और धन-सम्पत्ति की उत्पत्ति द्वारा चालित, दो बहुत महत्वपूर्ण संघटक हैं । सामाजिक रूपान्तरण, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि और शासन के सम्बन्ध में है । यह रोजगार के सृजन, उच्च उत्पादकता और ग्रामीण समृद्धता की ओर अग्रसर करेंगे ।

राष्ट्र के लिये धन सम्पत्ति की उत्पत्ति का कार्य, राष्ट्रीय योग्यताओं के साथ गुँथा होना चाहिये । केन्द्रक क्षेत्र जो ज्ञानपूर्ण समाज बनने की ओर हमारी प्रगति की अगुवाई करेंगे वो हैं – इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी, मौसम भविष्यवाणी, आपदा प्रबन्ध, टैलीमेडीसन और टैलीएजुकेशन, पारम्परिक ज्ञान का उपयोग करने वाली प्रौद्योगिकीयां, सेवा क्षेत्र और इन्फोटेनमेंट ।

अतः ज्ञानपूर्ण समाज सृजित करने के लिये बहुविध प्रौद्योगिकियों और उपयुक्त प्रबन्ध संरचनाओं को इकट्ठे कार्य करना होगा । भारत ने इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी में अपना स्थान बना लिया है और देश ज्ञानपूर्ण समाज में शीघ्रता से रूपान्तरित करने के अवसर का पूर्ण रूपेण लाभ उठाने के लिये अद्भुत ढंग से तैयार है ।

15. Why is the need to rediscover the knowledge of the society ?

समाज का ज्ञान पुनः ढूँढ निकालने की आवश्यकता क्यों है ?

16. What are the sources of knowledge ?

ज्ञान के स्रोत क्या हैं ?

17. What will be the key factors that will determine the prosperity of society ?
समाज की समृद्धि निर्धारित करने वाले मुख्य कारक क्या होंगे ?

18. What can be achieved through societal transformation and wealth generation ?
सामाजिक रूपान्तरण और सम्पदा उत्पत्ति के जरिये क्या प्राप्त किया जा सकता है ?

19. What is the role of today’s youth in contributing to knowledge ?
ज्ञान के प्रति योगदान करने में आज के युवा की भूमिका क्या है ?

Space For Rough Work



FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)
(in figures)
Signature & Name of the Coordinator
(Evaluation) Date